अर्द्धवार्षिक परीक्षा
सत्र–2021–22
विषय–हिन्दी
कक्षा–12वीं

समय–3:00 घण्टा पूर्णांक–80

निर्देश:–1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न क्र. 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। जिनके लिए 1 × 32 = 32 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 06 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। शब्द सीमा 30 शब्द है।
4. प्रश्न क्र. 16 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। शब्द सीमा 75 शब्द है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न अंक 4 का है। शब्द सीमा 120 शब्द है।

प्र.1. सही विकल्प का चुनकर लिखिए– (1 × 6 = 6)

i. 'एक गीत' कविता मे समय को माना गया है–
(अ) स्थिर (ब) भयानक (स) परिवर्तनशील (द) तीव्र

ii. लेखक ने 'बाजार दर्शन' पाठ में चूरन वाले को 'अकिंचित्कर' कहा है, जिसका अर्थ है–
(अ) अर्थहीन (ब) व्यापारी (स) भिखारी (द) ठग

iii. द्विवेदी युग का महाकाव्य है–
(अ) कामायनी (ब) प्रिय प्रवास (स) कवितावली (द) रामचंद्रिका

iv. भारतेन्दु युग के निबंधकार है–
(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब) प्रतापनारायण मिश्र
(स) रामचन्द्र शुक्ल (द) विद्यानिवास जी

v. मुअनजो–दड़ो में कुएँ थे–
(अ) लगभग 200 (ब) लगभग 700 (स) लगभग 500 (द) लगभग 800

vi. सम्पादन के तत्वों में 'वस्तु परकता' का अर्थ है–
(अ) सत्यता (ब) काल्पनिकता (स) प्रामाणिकता (द) अनुभव

प्र.2 रिक्त स्थान में सही शब्द चुनकर लिखिए– (1 × 7 = 7)

i. आनंद यादव का पूरा नाम———— है। (आनंदराम यादव/आनंदरतन यादव)
ii. पत्रकारिता का मूल तत्व————हैं। (प्रत्याशा/जिज्ञासा)
iii. वीभत्स रस का स्थायी भाव————है। (जुगुप्सा/विस्मय)
iv. हिन्दी निबंध का प्रारंभ————युग से माना जाता है। (द्विवेदी युग/भारतेन्दु युग)
v. रात्रि की भीषणता को————ललकारती थी। (पहलवान की ढोलक/लुट्टन की हुंकार)
vi. लेखक ने काल्पनिक जगत की वस्तु————को मना है। (उदारता/प्रतिकार)
vii. 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' कविता में दिन का 'पंथी'————को मना गया है। (राही/सूर्य)

प्र.3 सही जोड़ी बनाकर लिखिए– (1 × 6 = 6)

'i'	'ii'
i. 'बात सीधी थी पर'	– (क) ओम थानवी 6
ii. 'पहलवान की ढोलक'	– (ख) मुँह की खाना 5
iii. कहानी	– (ग) हरिवंशराय बच्चन
iv. 'सिल्वर वैडिंग'	– (घ) कुँवर नारायण 1
v. बुरी तरह हारना	– (ड.) मुँह ताकते रहना
vi. 'अतीत में दबे पाँव'	– (च) मनोहर श्याम जोशी 4
	– (छ) देशकाल वातावरण 3
	– (ज) फणीश्वर नाथ रेणु 2

प्र.4 सत्य/असत्य लिखिए– (1 × 6 = 6)

i. 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता दूरदर्शन वालो पर व्यंग्य है।
ii. नाटक का प्राण तत्व 'सवाद' को कहा जाता है।
iii. भक्तिन सत्यवादी हरिशचन्द्र नहीं बन सकी।
iv. जिसका कोई शत्रु नहीं होता उसे 'अज्ञात शत्रु' कहते हैं।
v. सिंधु घाटी सभ्यता में कपास पैदा होती थी।
vi. रामधारी सिंह दिनकर प्रयोगवाद के जनक माने जाते हैं।

https://www.mpboardonline.com

प्र.5. एक वाक्य मे उत्तर लिखिए– (1 × 7 = 7)

i. रेखाचित्र अंग्रेजी के किस शब्द का हिन्दी अनुवाद है।

ii. वर्ण किसे कहते है।

iii. मैं शैली का प्रयोग किस प्रकार के लेखन में किया जाता है।

iv. जब सब्जी लेकर यशोधर बाबू घर पहुँचे तो उनकी दशा कैसी थी।

v. महादेवी वर्मा जी ने भक्तिन का नामकरण क्या देखकर किया।

vi. प्रात: कालीन नीला आकाश किस के जैसा बताया गया है।

vii. 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' कविता में कवि की हताशा और निराशा का क्या कारण है।

प्र.6. भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या अभिप्राय है। (2)

अथवा

शीतल वाणी में आग से कवि का आशय स्पष्ट कर लिखिए।

प्र.7. प्रयोगवादी कविता की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

अथवा

भारतेन्दु युग की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र.8. भक्तिन के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

अथवा

लुट्टन पहलवान ने ढोल को अपना गुरू क्यों कहा।

प्र.9. संस्मरण और रेखाचित्र में कोई दो अंतर लिखिए। (2)

अथवा

कहानी और उपन्यास में कोई दो अंतर लिखिए।

प्र.10. 'समहाउ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में तकिया कलाम की तरह करते हैं। इस वाक्यांश का उनके व्यक्तिव और कहानी के कथ्य में क्या संबंध बनाता है। (2)

अथवा

सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी पर उसमें भव्यता का आडम्बर नहीं था। कैसे ?

प्र.11. स्तंभलेखन किसे कहते है ? (2)

अथवा

कविता लेखन के कोई दो घटक लिखिए।

प्र.12. रस की परिभाषा लिखते हुए उसके अंगो के नाम लिखिए। (2)

अथवा

शांत रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र.13 भ्रांतिमान अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

अथवा

सोरठा छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प.14 राज भाषा एवं राष्ट्र भाषा में कोई दो अंतर लिखिए। (2)

अथवा

मुहावरे एवं लोकोक्तियों में कोई दो अंतर लिखिए।

प्र.15. निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कर लिखिए– (2)

i. मैं नाश्ता करके दफ्तर जाऊँगा। (संयुक्त वाक्य)

ii. चोर घर में घुसे और पुलिस आ गई। (मिश्र वाक्य)

अथवा

वाक्य शुद्व करके लिखिए–

i. खरगोश को काटकर गाजर खिलाओं।

ii. यहाँ शुद्ध गाय का घी मिलता हैं।

प्र.16. रघुबीर सहाय अथवा शमशेर बहादुर सिंह जी का परिचय निम्न बिंदुओ में लिखिए। (3)

(i) दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष एवं कला पक्ष

प्र.17. महादेवी वर्मा अथवा फणीश्वरनाथ रेणु जी का साहित्यिक परिचय निम्न बिंदुओ में लिखिए। (3)

(i) दो रचनाएँ (ii) भाषा शैली (iii) साहित्य में स्थान

प्र.18. 'सच्चे मित्र' विषय पर अनुच्छेद लिखिए। (3)

अथवा

'ग्राहक जागरूकता' पर अनुच्छेद लिखिए।

https://www.mpboardonline.com

प्र 19 अपठित गद्यांश/पद्यांश का पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (3)

स्वार्थ और परमार्थ मानव की दो प्रवृतियाँ है। हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिए करते है। 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म है, यही पुण्य है, इसे ही परोपकार कहते है। प्रकृति हमे निरंतर परोपरकार का संदेश देती है। नदी दूसरो के लिए बहती है। वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप आँधी वर्षा और तूफान में अपना सबकुछ बलिदान कर देते है।

i. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखते हुए लिखिए कि सच्ची मानवता क्या है।
ii. वृक्ष परोपकार संदेश कैसे देते है ?
iii. गद्यांश का सारांश लिखिए।

अथवा

युवक नहीं जो देख संकटो से डर जाता।
यह चकोर ही नहीं कि जो अंगार न खाता।
बलिदानों का पंथ नही जिसने पहचाना।
कह देगा कि यह कौन कि वह भी है परवाना।
उष्ण रक्त की धार जवानी माँग रही है।
वीरोचित श्रृंगार जवानी माँग रहीं है।

i. पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
ii. बलिदान कौन देता है ?
iii. पद्यांश का सारांश लिखिए।

प्र.20. काव्यांश का संदर्भ–प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए– (4)

मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल !
यह प्रश्न शिथल करता पद को भारत उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है।

अथवा

आखिरकार वहीं हुआ जिसका मुझे डर था।
जोर जबरदस्ती से
बात की चूडी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!

प्र.21. गद्यांश की व्याख्या संदर्भ–प्रसंग सहित लिखिए– https://www.mpboardonline.com (4)

शांत दर्शको की भीड़ में खलबली मच गई–पागल है 'पागल है, मरा–ऐं! मरा–मरा।'——पर वाह रे बहादुर! लुट्टन बड़ी सफाई से आक्रमण को सँभालकर निकलकर उठ खड़ा हुआ। और पैंतरा दिखाने लगा। राजा साहब ने कुश्ती बंद करवाकर लुट्टन को अपने पास बुलाया और समझाया। अंत में उसकी हिम्मत की प्रशंसा करते हुए दस रूपये का नोट देकर कहने लगे– "जाओ मेला देखकर घर जाओ"

अथवा

पर उस जादू की जकड से बचने के लिए एक सीधा सा उपाय है वह यह कि बाजार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो तब बाजार न जाओ। कहते हैं कि लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो तो लू का लू पन व्यर्थ हो जाता है मन लक्ष्य में भरा हो तो बाजार भी फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिल्कुल नहीं दे सकेगा बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ न कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे।

प्र.22. आप नवीन कुमार ए–190 आकाश नगर, शाहपुरा भोपाल के निवासी हैं। अपने मोहल्ले/गली की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थय अधिकारी को पत्र लिखिए। (4)

अथवा

वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपनी छोटी बहन को बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

प्र.23. किसी एक विषय पर 120 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए– (4)

i. प्रदूषण कारण और निदान (ii) राष्ट्रीय एकता (iii) वृक्षारोपण आज की महती आवश्यकता।
iv. विद्यार्थी और अनुशासन
v. कम्प्यूटर आज के युग की जरूरत।

——00——

https://www.mpboardonline.com